RNI Registration Number : MPBIL/2021/82004

सेवा मंथन

वर्ष 2 अंक 18 (पाक्षिक) इन्दौर, 16 से 30 सितम्बर 2022 पृष्ठ 8 मूल्य 10 रुपये

1 दिंसबर 2022 से जी20 की अध्यक्षता करेगा भारत, देशभर में जी20 की 200 से अधिक बैठकें होंगी

नई दिल्ली। भारत इस साल के अंत में जी20 सम्मेलन की अध्यक्षता करेगा। दिसंबर 2022 से 30 नवंबर, 2023 तक देशभर में भारत की अध्यक्षता में जी20 की 200 से अधिक बैठकें होंगी। विदेश मंत्रालय ने भारत की अध्यक्षता में होने वाले जी20 सम्मेलन से जुड़ी घोषणाएं की है। भारत को 1 दिसंबर 2022 से जी20 की अध्यक्षता मिलेगी। विदेश मंत्रालय ने जानकारी दी कि राष्ट्राध्यक्षों/शासनाध्यक्षों के स्तर पर जी 20 देशों के नेताओं का शिखर सम्मेलन 9 और 10 सितंबर, 2023 को नई दिल्ली में आयोजित होने वाला है।

मालूम हो कि जी 20 दुनिया के विकसित और विकासशील देशों का संगठन है। इसके सदस्य अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, रिपब्लिक ऑफ कोरिया, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, यूके, अमेरिका और यूरोपियन यूनियन हैं। यानी 19 देश और यूरोपियन यूनियन सहित कुल मिलाकर जी 20 के 20 सदस्य हैं। जी 20 दुनिया की 85 फीसदी जीडीपी और 75 प्रतिशत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और दो तिहाई आबादी का प्रतिनिधित्व करता है। भारत वर्तमान में जी 20 ट्रोइका का सदस्य है। इसमें भारत के अलावा इंडोनेशिया

और इटली है। इंडोनेशिया मौजूदा में जी 20 का सदस्य है, जबकि इटली पिछले साल अध्यक्ष था और भारत आने वाला अध्यक्ष है। इसकी अध्यक्षता के दौरान, भारत, इंडोनेशिया और ब्राजील ट्रोइका का निर्माण करने वाले हैं। यह पहली बार होगा जब ट्रोइका में तीन विकासशील देश और उभरती अर्थव्यवस्थाएं शामिल होंगी। जो उन्हें एक मजबूत आवाज प्रदान करेगी।

जी 20 सदस्यों के अलावा सम्मेलन और बैठकों में अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और अतिथि देशों को भी आमंत्रित किया जाता है। भारत अपनी अध्यक्षता में बांग्लादेश, मिस्र, मॉरिशस, नीदरलैंड्स, नाइजीरिया, ओमान, सिंगापुर, स्पेन और संयुक्त अरब अमीरात को अतिथि देशों के तौर पर आमंत्रित करेगा।

भूटान के राजा वांगचुक ने पीएम मोदी से की मुलाकात

नई दिल्ली। भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। एक विशेष संकेत के रूप में पीएम मोदी ने अतिथि गणमान्य व्यक्ति का स्वागत किया और विदा किया। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने भी भूटान नरेश

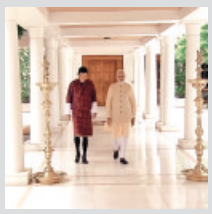

जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक से मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच कई अहम मुद्दों पर बात हुई। इससे पहले वह विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा से भी मिले थे। इससे पहले भूटान ने इंटरनेशनल सोलर एलायंस फ्रेमवर्क समझौते पर भी हस्ताक्षर किए थे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बताया कि भारत में भूटान के राजदूत मेजर जनरल वेस्तप नामग्याल ने सचिव ईआर दम्मू रवि को समझौते के कागज सौंप दिए हैं। इस दौरान इंटरनेशनल सोलर अलाएंस के डीजी भी मौजूद थे।' भारत और भूटान के बीच सबसे अहम समझौता मैत्रा एवं सहयोग का है। इसे दोनों देशों के बीच 1949 में किया गया था। इसका मकसद दोनों देशों के बीच शांति स्थापना और एक-दूसरे के मुद्दों में दखल ना देना है।

आयोग के माननीय सदस्य सरबजीत सिंह का कार्यकाल पूर्ण, आयोग परिवार ने दी भावभीनी विदाई

भोपाल। मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के माननीय सदस्य सरबजीत सिंह का 14 सितम्बर 2022 को पांच वर्षीय कार्यकाल पूर्ण हो गया। कार्यकाल पूर्णता के मौके पर आयोग सदस्य सिंह को आयोग परिवार द्वारा भावभीनी विदाई दी गई। आयोग के माननीय अध्यक्ष न्यायमूर्ति नरेन्द्र कुमार जैन, माननीय सदस्य मनोहर ममतानी एवं आयोग में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक बीबी शर्मा ने इस मौके पर आयोग के सदस्य सिंह को सफलतापूर्वक पांच वर्षीय कार्यकाल पूर्ण करने पर शुभकामनाएं दी और सिंह के व्यक्तित्व व कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। आयोग परिवार द्वारा श्री सिंह को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर आयोग के सभी अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे। मालूम हो कि श्री सरबजीत सिंह मूलतः आईपीएस अधिकारी रहे। शासकीय सेवा से सेवानिवृत्ति के पश्चात् सिंह ने 15 सितम्बर 2017 को आयोग में माननीय सदस्य के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था और 14 सितम्बर 2022 को आपका पांच वर्षीय कार्यकाल पूर्ण हुआ।

केंद्रीय कर्मचारी के मौज, तेजस ट्रेनों में फ्री या कम कीमतों में कर सकते हैं यात्रा

नई दिल्ली। अगर आप भी केंद्रीय कर्मचारी हैं, तब आपके के लिए अच्छी खबर है। केंद्रीय कर्मचारी तेजस ट्रेनों में फ्री या कम कीमत यानी रियायती दरों पर सफर कर सकते हैं। ये छूट उनके आधिकारिक दौरों के लिए मिलेगी। दरअसल, वित्त मंत्रालय ने नोटिस जारी कर बताया कि सरकारी केंद्रीय कर्मचारी अब तेजस ट्रेनों में फ्री या कम कीमत पर सफर कर पाएंगे।

मंत्रालय के नोटिस के मुताबिक, अधिकारियों ने आधिकारिक यात्रा के लिए तेजस एक्सप्रेस ट्रेनों में यात्रा में रियायत देने को लेकर विचार किया। इसके बाद सरकार ने इसकी इजाजत दे दी। बताया जाता हैं, कि ये छूट दी गई ट्रेनों के अलावा टूर, ट्रेनिंग, ट्रांसफर और रिटायरमेंट यात्रा के लिए भी लागू होगी। तेजस एक्सप्रेस ट्रेनों में यात्रा करने की एलिजिबिलिटी, वहीं होगी जो शताब्दी ट्रेनों के लिए है।

ट्रेन यात्रा के लिए कौन से कर्मचारी फायदा उठा सकते हैं, यह कर्मचारियों के वेतन पर निर्भर करता है। पात्र सरकारी अधिकारियों को प्रीमियम ट्रेनों, प्रीमियम तत्काल ट्रेनों, राजधानी, शताब्दी, दुरंतो ट्रेनों में सफर करने की इजाजत

होती है। वह कम किराए या मुफ्त में यात्रा कर सकते हैं। एक अधिकारी के मुताबिक मंत्रालय ने नोटिस जारी करके तेजस ट्रेनों को प्रीमियम ट्रेनों की लिस्ट में डाल दिया है। सरकार के ऐसा करने से केंद्र सरकार के कर्मचारी आधिकारिक टूर के लिए इन ट्रेनों से यात्रा कर सकते हैं।

बता दें कि तेजस के कोच अपग्रेड हैं। इसका निर्माण रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला में हुआ है। 20 डिब्बों वाली ये देश की पहली ट्रेन हैं, जिसके सभी डिब्बों में स्वचालित दरवाजे हैं। साथ ही हर डिब्बे में चाय व कॉफी की वेंडिंग मशीन लगी है। प्रत्येक सीट पर एलसीडी स्क्रीन और वाई-फाई की सुविधा है। तेजस राजधानी एक्सप्रेस सेमी हाई स्पीड ट्रेन है, जिसे भारतीय रेलवे चला रही है। तेजस एक्सप्रेस आधुनिक सुविधाओं वाली मध्यम तेज गति वाली भारतीय रेल की ट्रेन है। इसकी अधिकतम गति 160 किमी है।

गडकरी ने वाहन विनिर्माताओं से कहा, भारत में कारों के लिए अपनाएं वैश्विक सुरक्षा मानदंड

नई दिल्ली। सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि भारत में ज्यादातर वाहन विनिर्माता पहले ही छह एयरबैग वाली कारों का निर्यात कर रहे हैं और उन्हें भारत में भी कारों के लिए इस तरह के सुरक्षा मानदंड अपनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वाहन विनिर्माताओं को छोटी सस्ती कारों का उपयोग करने वाले लोगों की सुरक्षा के बारे में भी सोचना चाहिए।

गडकरी ने भारतीय वाहन कलपुर्जा विनिर्माता संघ (एसीएमए) के वार्षिक सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि हर साल लगभग पांच लाख सड़क दुर्घटनाओं में 1.5 लाख लोगों की मौत होती है और तीन लाख से अधिक लोग घायल होते हैं। उन्होंने कहा, ''भारत में ज्यादातर वाहन विनिर्माता छह एयरबैग वाली कारों का निर्यात कर रहे हैं। लेकिन, भारत में आर्थिक लागत के कारण वे झिझक रहे हैं।

भारत को जल्द मिल सकती हैं डेंगू की वैक्सीन, सरकार ने पहले चरण के परीक्षण की अनुमति दी

नई दिल्ली। दिल्ली सहित देश के अलग-अलग इलाकों में डेंगू कहर के बीच एक अच्छी खबर है। भारत में बहुत जल्द इसकी वैक्सीन भी तैयार होगी, क्योंकि डेंगू की वैक्सीन के पहले फेज के ट्रायल को हरी झंडी मिल गई है। देश की अग्रणी वैक्सीन निर्माता कंपनी 'द इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड' (आईआईएल) को डेंगू के टीके के पहले चरण के परीक्षण की अनुमति मिल गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, द इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने ने कहा कि हमें अब डेंगू की वैक्सीन के लिए पहले चरण के परीक्षण की अनुमति मिल गई है। अभी तक भारत में डेंगू का कोई टीका नहीं है। यह एक बहुत बड़ा मील का पत्थर होगा। हमने सभी जानवरों का परीक्षण पूरा कर लिया है और अब हमें ह्यूमन ट्रायल यानी मानव परीक्षणों की अनुमति दी जा रही है।

आईआईएल के प्रबंध निदेशक डॉ.के आनंद कुमार ने कहा कि आईआईएल यानी द इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड अमेरिका स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) के सहयोग से डेंगू का टीका विकसित कर रहा है। उन्होंने हमें वायरस मुहैया कराया। उन्होंने पहले चरण के ट्रायल को लेकर जानकारी देकर बताया कि ट्रायल के लिए केंद्रों की पहचान पहले से कर ली गई है, जल्द इसका ट्रायल शुरू होगा। इतना ही नहीं, उन्होंने उम्मीद जताकर कि अगले दो साल के भीतर डेंगू की वैक्सीन भारत में लांच होगी।

डेंगू के दो अन्य वैक्सीन कैंडिडेट्स हैं, जिन्हें पैनेशिया बायोटेक लिमिटेड और सनोफी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विकसित किए जा रहे हैं। दोनों को क्लीनिकल ट्रायल की अनुमति मिल गई है। पैनेशिया बायोटेक लिमिटेड ने फेज-1 और फेज-2 के ट्रायल पूरे कर लिए हैं। वहीं, सनोफी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की वैक्सीन को अमेरिका में पहले ही मंजूरी मिल चुकी है और इसने भारत में परीक्षण करना शुरू कर दिया है।

देवास जिले में वन अधिकारियों एवं कर्मचारियों का चार दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ समापन

देवास। अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन वृत्त उज्जैन श्री मनोज कुमार अग्रवाल के मार्ग दर्शन एवं वन संरक्षक देवास श्री पी एन मिश्रा के निर्देशन में वन अधकारियों एवं कर्मचरियों के लिए वन अधिनियमों में हुए संशोधन, वन अपराधों की जांच, वन्य प्राणी एवं अन्य वन अपराध प्रकरणों का न्यायालय में प्रस्तुतीकरण आदि विषयों पर 4 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन देवास इको सेंटर पर किया गया। जिसके अंतर्गत विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण गया । प्रशिक्षण अन्तर्गत प्रथम दिवस में सेवानिवृत्त सहायक वन संरक्षक श्री अभय कुमार जैन द्वारा विभिन्न प्रकार के वन अधिनियमों एवं इनमें विधानसभा द्वारा समय समय पर किए गए विभिन्न संशोधनों से वन अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अवगत कराया । दूसरे दिवस अन्तर्गत वन अपराध प्रकरण कायम करना, वन अपराधों कि जांच, कैस डायरी लिखना, साक्ष्य एकत्रीकरण एवं प्रकरण का न्यायालय में परिवाद प्रस्तुतीकरण विषय पर प्रशिक्षण सुश्री

मंजुला श्री वास्तव (अधिवक्ता) द्वारा दिया गया। ज्ञातव्य हो कि सुश्री मंजुला श्री वास्तव अधिवक्ता होकर इनके द्वारा वन्य प्राणी के अनेक प्रकरण में वन विभाग की ओर से पैरवी करते हुए अपराधियों को सजा दिलवाई गई है।

इनके द्वारा प्रकरण की जांच एवं न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत करते समय रखी जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया गया इस हेतु प्रशिक्षणार्थियों को चार समूह में विभाजित कर विभिन्न वन अपराध विषयो पर प्रकरण बनाने एवं उन्हें न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत करने का टास्क दिया गया व अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रश्नों का समाधान भी किया गया।

तीसरे दिवस वन विभाग में प्रधान मुख्य वन संरक्षक के पद से सेवा निवृत्त श्री रमेश कुमार श्री वास्तव द्वारा वन सुरक्षा से भिन्न ङस्व प्रबंधनङ विषय पर सभी प्रशिक्षणार्थियों को मार्गदर्शन दिया तथा विभागीय कार्य के साथ साथ किस प्रकार हम अपने परिवार के साथ तनाव रहित स्वस्थ्य संतुलित जीवन यापन कर सकते है आदि विषयों पर इनके द्वारा प्रकाश डाला गया। साथ ही अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री मनोज कुमार अग्रवाल एवं सेवा निवृत्त श्री अभय जैन व श्री ए के श्री वास्तव द्वारा वन सुरक्षा विषय पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण के अंतिम दिवस में सेशन कोर्ट बागली में पदस्थ सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी श्री यादव द्वारा वन अपराध प्रकरणों को तैयार करना एवं न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत करते समय रखी जाने वाली सावधानियों, समंस, वन अपराधियों की गिरफ्तारी, स्थाई वारंट , न्यायिक हिरासत व पुलिस रिमाड एवं अपराधियों को न्ययालय में प्रस्तुत करना आदि न्यायालयीन विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया!

वन संरक्षक देवास श्री पी एन मिश्रा द्वारा बताया गया कि मप्र शासन वन विभाग द्वारा वन सुरक्षा के संबंध में समय पर नए निर्देश जारी किए जाते है एवं साथ ही वन अधिनियमों में भी संशोधन किया जाता इन्हीं संशोधनों व वन अपराध प्रकरणों को मजबूती के साथ न्यायालय में प्रस्तुतीकरण हेतु विभाग के फ्रंट लाइन स्टाफ के लिए इस प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। तथा आगे भी समय समय पर इस प्रकार के प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे ताकि वन स्टाफ पूरी ऊर्जा के साथ वन अपराधों को रोकने में सजगापूर्वक कर सके।

प्रशिक्षण के दौरान किए गए विभिन्न प्रकार के मूल्यांकन के आधार पर श्री कृष्णा यादव द्वारा प्रथम, चंदन मंडलोई द्वारा द्वितीय व ऋतु सिसोदिया द्वारा तृतीय स्थान प्राप्त किया गया । शेष समस्त प्रशिकषणार्थियों को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

इस अवसर पर प्रशिक्षण समन्वयक श्री संतोष कुमार शुक्ला उप वन मंडल अधिकारी देवास, श्री शंकर लाल यादव, श्री अमित सोलंकी, श्री राजेश मंडावलिया, समस्त वन परिक्षेत्र अधिकारी आदि प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

पर्यटन क्विज का हुआ रंगारंग आयोजन

धार। जिला मुख्यालय पर मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित पर्यटन क्विज का आयोजन विगत दिवस किया गया। स्थानीय उत्कृष्ट विद्यालय में आयोजित इस जिला स्तरीय पर्यटन क्विज में जिले के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की । मध्य प्रदेश के पर्यटक स्थलों ,कला संस्कृति ,एवं मध्य प्रदेश के भौगोलिक परिवेश पर आधारित मध्य प्रदेश पर्यटन क्विज का उद्देश्य विद्यार्थियों के साथ साथ आमजनों में मध्यप्रदेश के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। साथ ही मध्यप्रदेश के पर्यटक स्थलों का प्रचार-प्रसार भी इस आयोजन के माध्यम से किया जाता है ।इस आयोजन में प्रथम चरण में विद्यार्थियों की लिखित परीक्षा ली गई। जिसमें मध्य प्रदेश के विभिन्न पहलुओं पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्न हल करवाए गए । द्वितीय चरण में सर्वोच्च अंक प्राप्त 6 टीमों को सम्मिलित कर ऑडियो विजुअल मल्टीमीडिया क्विज का आयोजन किया गया । कंप्यूटर एवं एलइडी प्रोजेक्टर पर संचालित इस क्विज का प्रतिभागियों के साथ साथ दर्शकों द्वारा भी भरपूर आनंद लिया गया । मल्टीमीडिया राउंड के दौरान प्रतिभागियों से भी दर्शकों से भी प्रश्न पूछे गए और उन्हें आकर्षक उपहार दिए गए ।

इस जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता में टैलेंट पब्लिक स्कूल धार द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त किया गया। वहीं श्री सी के चंदेल मेमोरियल स्कूल को द्वितीय तथा आदर्श विद्या मंदिर खाचरोदा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ । प्रतिभागियों को पुरस्कार अनुविभागीय अधिकारी राजस्व धार दीपाश्री गुप्ता द्वारा तथा उत्कृष्ट विद्यालय की प्राचार्य अमिता बाजपेई द्वारा प्रदान किए गए । विजेताओं को पुरस्कार स्वरूप मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग के रिसोर्ट एवं होटलों में निशुल्क रहने, खाने एवं घूमने की सुविधा के कूपन, मेडल्स एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए । क्विज का संचालन क्विज मास्टर प्रवीण शर्मा द्वारा किया गया तथा स्कोरर की भूमिका श्याम शर्मा द्वारा निभाई गई । इस अवसर पर मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग के अधिकारी, जिलाधिकारी, पत्रकारगण भी उपस्थित रहे ।जिला स्तर पर विजेता रही टीम राज्य स्तरीय आयोजन में जिले का प्रतिनिधित्व करेगी।

देवास जिले में विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस 'पर जागरुकता गतिविधि आयोजित

देवास। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत जिला चिकित्सालय देवास में विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर स्वास्थ्य जागरुकता गतिविधि आयोजित की गई। जिसमे डॉ अतुल पवनीकर ने बताया कि आत्महत्या रोकथाम में समाज के जागरूक नागरिकों,परिवार के सदस्यो की अहम भूमिका होती है अगर किसी व्यक्ति में आत्महत्या के संकेतो की पहचान करना हैं तो ध्यान देना होगा की व्यक्ति कही मरने तथा आत्म हत्या के बारे में अक्सर बातें तो नही कर रहा, नकारात्मक बातें जैसे ना उम्मीदी, फंसा हुआ महसूस करना, जीवन जीने की कोई वजह ना होना, दूसरों पर बोझ होना,अपने आप में खोए रहना। अकेले रहना मूड में परिवर्तन, उदास रहना। नींद तथा भूख में अत्याधिक बदलाव ,मंदिरा तथा किसी मादक द्रव्य का अत्याधिक सेवन लोगो से मिलने जाना तथा उन्हें अलविदा कहना लापरवाही या जोखिम भरा व्यवहार करना ,दिखाई दे तो उन्हें तुरंत मदद करें सहानभूती तथा गैर आलोचनात्म ढंग से उनकी बात सुनें अकेला ना छोड़े परिवार के लोगो से संपर्क करें मनोचिकित्सक तथा मनोवैज्ञानिक की सलाह लेंने का कहे। आत्महत्या के विचार रोकने के लिए सुरक्षा पर ध्यान देवे। ऐसी गतिविधियों में खुद को व्यस्त करें जो आपका मन शांत करती हो या आपको उन विचारो से भटकाटी हो जैसे म्यूजिक (संगीत),प्रेरणादायक विडियो, हास्य विडियो,बागवानी इत्यादि ऐसे लोगों के नंबर रखें जिनसे आप तुरंत अपनी समस्या साझा कर सकते है। उनसे तुरंत संपर्क करें। कुछ ऐसी जगहो पर जाएँ जहाँ आप सुरक्षित महसूस करते है, जैसे- धार्मिक स्थल, प्राकृतिक स्थल इत्यादि जीवन जीने के अपने कारणों के बारे में लिखे, सुखद पलों को याद करें। अकेले ना रहें। सकारात्मक माहौल बनाए रखे।इस अवसर पर डॉ एन.के.सक्सेना, डॉ अमरीन शेख सहित अन्य चिकित्सक, स्टॉफ उपस्थित रहा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी कूनो अभ्यारण्य की यात्रा के बाद पुनः आयेंगे महाकाल कोरिडोर लोकार्पण के लिए

धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को मध्यप्रदेश में दिया जा रहा है बढ़ावा-मुख्यमंत्री

पर्यावरण संतुलन और संरक्षण के लिए लगातार कार्य जरूरी

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि केन्द्र सरकार की जन-कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश आगे है, भविष्य में भी प्रदेश इनमें आगे बना रहेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में मध्यप्रदेश के मंडला सहित अन्य जिलों में बने अमृत सरोवर निर्माण की प्रशंसा की है। प्रधानमंत्री जी आगामी 17 सितम्बर को चीता प्रतिस्थापना के लिए कूनो राष्ट्रीय उद्यान पधार रहे हैं। मध्यप्रदेश में आने के लिए उन्हें पुनः आग्रह कर उज्जैन में महाराज महाकाल कॉरिडोर के शुभारंभ के लिए आमंत्रित किया गया है। भारत और एशिया से विलुप्त हो चुके वन्य-प्राणी चीते को पुनः बसाने का कार्य पर्यावरण-संरक्षण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि यह धरती सिर्फ मनुष्यों के लिए नहीं बनी है, पर्यावरण का संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। यह कार्य निरंतर चलना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान कुशाभाऊ ठाकरे सभागृह में आज जी न्यूज के कार्यक्रम 'इमर्जिंग मध्यप्रदेश' को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कानून-व्यवस्था की मजबूत स्थिति सबसे बड़ी प्राथमिकता है। किसी भी तरह के आसामाजिक तत्व हों, उनके लिए सरकार सख्ती से कार्यवाही कर रही है। पहले डकैतों के आतंक को समाप्त किया गया, फिर सिमी के नेटवर्क को खत्म किया गया, इसके बाद नक्सलवाद को भी सीमित किया गया। साथ ही गुंडा तत्वों के विरूद्ध सख्त से सख्त कदम उठाए गए हैं। वर्ष 2006 से यह सिलसिला अब तक जारी है। मध्यप्रदेश शांति का टापू है। अपराधियों को संरक्षित करने वालों के विरूद्ध भी सरकार का रवैया सख्त रहेगा। सज्जनों के लिए सरकार फूलों की तरह कोमल और दुष्टों के लिए वज्रा से भी कठोर है। सभी धर्मों का पूरा आदर है लेकिन किसी धर्मस्थल या धार्मिक नेता द्वारा इनके दुरूपयोग के लिए उन्हें कामयाब नहीं होने देंगे। आतंक की कोई कोशिश सफल नहीं होने दी जाएगी।

मध्य क्षेत्रीय परिषद बैठक के महत्व की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा परिषद जन कल्याण का महत्वपूर्ण मंच है। इसमें जिन मुद्दों पर विचार-विमर्श और निर्णय होता है, उससे अनेक जन-समस्याओं के समाधान में सहयोग मिलता है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में घोर घने जंगल, जल संरचनाएँ, ऐतिहासिक महत्व के स्थान पर्यटन विकास में मददगार हैं। धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। उज्जैन में महाकाल कॉरिडोर के विकास और शिव सृष्टि प्रकल्प को साकार करने का कार्य हो रहा है। प्रदेश में निवाड़ी जिले में पर्यटन विकास के लिए होम स्टे कॉन्सेप्ट लागू किया गया। केन्द्र सरकार ने भी इसकी प्रशंसा की है। पर्यटकों को ग्राम संस्कृति से परिचित करवाने और वाइल्ड लाइफ टूरिज्म के विकास के कदम उठाए गए हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इस मानसून सीजन में विचित्र स्थितियाँ रही हैं। प्रदेश के बड़े हिस्से में काफी जयादा बारिश हुई। कुछ जिलों में बाढ़ तबाही लेकर आई। प्रदेश का अभी एक हिस्सा ऐसा है, जहाँ बारिश कम हुई है। उत्तरप्रदेश से लगा विंध्य इलाका ऐसा है जहाँ अल्प वर्षा के कारण दिक्कत हुई है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहाकि संकट के ऐसे समय राज्य सरकार जनता के साथ खड़ी है। जब जनता तकलीफ और कष्ट में हो तब सरकार उनको संकट के पार निकाल कर ले जाए, तभी वह सरकार है। अतिवर्षा से हुई क्षति के लिए सरकार सभी प्रभावितों को राहत राशि प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने टीवी चैनल को दिए गए साक्षात्कार में कृषक कल्याण, उर्वरक वितरण, विभिन्न योजनाओं में हितग्राहियों को लाभान्वित करने, रक्तदान, वृक्षा-रोपण, महिला स्व-सहायता समूहों को आर्थिक उन्नय दिलवाने, सामुदायिक वन प्रबंधन, स्व-रोजगार योजनाओं से युवाओं को लाभान्वित करने, ग्रामीण इंजीनियर तैयार करने, सीएम राइज विद्यालयों के संचालन, मुख्यमंत्री राशन योजना, तेंदूपत्ता समितियों को अधिकार देने और बैकलॉग के पदों की पूर्ति के लिए हो रहे कार्य का विवरण दिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में बरेदी लोक नृत्य और अंत में आल्हा गायन में लोक कलाकारों ने प्रस्तुति दी। मुख्यमंत्री श्री चौहान का पुष्प-गुच्छ से स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने चैनल के प्रतिनिधियों का मध्यप्रदेश में स्वागत किया।

दो अनजान किनारों को आपस में मिलाते हैं, चलो, उमड़ती नदी पर आज एक पुल बनाते हैं-न्यायाधिपति श्री विवेक रूसिया

इंदौर। उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर के प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री विवेक रूसिया द्वारा एक दिवसीय मीडिएशन रिफ्रेशर कार्यक्रम का शुभारम्भ मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खण्डपीठ इन्दौर के कॉन्फ्रेंस हॉल में किया गया।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए न्यायाधिपति श्री रूसिया द्वारा व्यक्त किया गया कि न्यायालय में प्रकरणों की सुनवाई के दौरान समाज में टूटते बिखरते परिवार को देखकर हृदय विचलित हो जाता है और अंतिम क्षण तक मेरा यह प्रयास होता है कि मध्यस्थता के माध्यम से ऐसे प्रकरणों का निराकरण कराकर दोनों पक्षकारों की जीत सुनिश्चित कराई जा सके।

उन्होंने बताया कि पुरातन समय से ही मध्यस्थता विभिन्न समूहों और पक्षकारों के बीच विवादों को सुलझाने का एक सशक्त माध्यम रहा है। मध्यस्थता का सर्वोपरि लाभ यह है कि यह किसी निर्णय पर समाप्त नहीं होता जिसमें कि एक पक्ष विजयी होता है और दूसरा पराजित। सफल मध्यस्थता 'समाधान' पर समाप्त होता है जिसमें दोनों पक्ष विजयी होते हैं। इस प्रकार कानूनी प्रक्रिया सहित सभी के लिए यह एक जीत की स्थिति होती है जो विवाद को सुलझाने हेतु मध्यस्थता का अनुसरण करने के लिए अन्य लोगों को प्रोत्साहित करता है।

पोटेंशियल ट्रेनर श्री अनूप श्रीवास्तव द्वारा उपस्थित मीडिएटरों का परिचयात्मक उद्बोधन करने के पश्चात् एक दिवसीय मीडिएशन रिफ्रेशर कार्यक्रम की विषय वस्तु से सभी प्रतिभागियों को अवगत कराया।

प्रथम सत्र में संघर्ष और उसका प्रबंधन, दूसरे सत्र में संचार और कौशल, तीसरे सत्र में मध्यस्थता की प्रक्रिया और अवस्था, चौथे सत्र में समझौता वार्ता, अवरोध और रणनीतियां, पांचवे सत्र में सौदेबाजी, छठवे सत्र में गतिरोध और प्रबंधन, सातवे सत्र में मध्यस्थ की भूमिका और नैतिकता विषय पर प्रतिभागियों का ज्ञानवर्धन किया गया।

एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन जिला विधिक सहायता अधिकारी उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति इंदौर श्री मनीष कौशिक द्वारा किया गया। उक्त रिफ्रेशर कार्यक्रम में प्रिंसिपल रजिस्ट्रार/सचिव श्री अजय प्रकाश मिश्र, ओ.एस.डी/रजिस्ट्रार श्री नवीन पाराशर, सिस्टम ऑफिसर, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खण्डपीठ इन्दौर, उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति इन्दौर के समस्त स्टाफ एवं मीडिएटर्स सम्मिलित हुए।

माननीया राष्ट्रपति महोदया द्वारा वच्युअल माध्यम से प्रधानमंत्री टी.बी. मुक्त भारत अभियान का शुभारम्भ किया गया

झाबुआ। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के सभागार झाबुआ में एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे.पी.ठाकुर, डीटीओं डॉ. जितेन्द्र बामनिया अन्य अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतितिधियों की उपस्थित में टी.बी. चैम्पियन, आशाओं की उपस्थिति में माननीया राष्ट्रपति महोदया द्वारा वच्युअल माध्यम से प्रधानमंत्री टी.बी. मुक्त भारत अभियान का शुभारम्भ किया गया है। जिसमें प्रत्येक राज्य, प्रत्येक जिला, प्रत्येक विकास खंण्ड को टी.बी. मुक्त बनाने हेतु जन भागीदारी पर जोर दिया जा कर प्रत्येक जिले में अधिक से अधिक निक्षय मित्र बनाये जा कर जिले के समस्त टी.बी मरीजों को पोषण आहार हेतु प्रोत्साहित किया जाये जिससे कि टी.बी. मरीजों कि बीमारी से ठीक होने की सम्भावना को बढ़ाया जा कर प्रत्येक जन की जनभागीदारी से जिले को टी.बी. मुक्त बनाया जावे।

जुगाड़ से बनाया मोबाइल चार्जिंग पॉइंट

दमोह। मध्य प्रदेश के दमोह जिले के एक आदिवासी गांव में युवाओं ने जुगाड़ से मोबाइल चार्जिंग पॉइंट बनाया है। दरअसल गांव में अनुपयोगी पड़े सोलर पैनल का इन्होंने इस्तेमाल किया है। जानकारी के अनुसार मामला दमोह जिले के हटा ब्लॉक के आदिवासी अंचल के धुरखेड़ा गांव का है। बता दें कि गांव में ग्राम पंचायत घोघरा की ओर से पेयजल व्यवस्था के लिए सोलर पैनल सिस्टम बोरवेल लगाया गया था। लेकिन बोरवेल खराब होने के बाद सोलर पैनल प्लेट्स का उपयोग यहां के युवाओं ने जुगाड़ लगाकर मोबाइल चार्जिंग पॉइंट्स के रूप में करना शुरू कर दिया।

Efforts to ensure widespread reach of contribution of tribal heroes in the freedom movement- Governor Shri Patel

Governor Shri Patel attends seminar of National Commission for Scheduled Tribes

Bhopal : Governor Shri Mangubhai Patel has said that efforts should be made to ensure that the life saga of tribal heroes for their contribution in the freedom movement is known to all. He said that the stories of the lives of tribal heroes who sacrificed their lives for the country would inspire them. It will instill courage and bravery in them for Swaraj and to protect their dignity. They will have a vision to make strong contribution in nation building, to live life with mutual cooperation and co-existence.

Governor Shri Patel was addressing a seminar organized at the JS Verma Memorial Convention Centre of National Law Institute University in collaboration with National Commission for Scheduled Tribes and All India Vanvasi Ashram. The topic was contribution of tribal heroes in the freedom struggle. Padma Shri Smt. Durgabai Vyom were also present.

Governor Shri Patel praised the National Commission for Tribals, describing its ideological thinking as a contemporary initiative through seminars at various places in the country. He said that this is a worthwhile effort to provide information about the lives of tribal heroes and to make us realize our duties towards them. This will inculcate the feeling of nationalism in the present generation. He said it will inspire to sacrifice one's life for the motherland. He said that the British, who came as traders, made us their slaves by taking advantage of the lack of sense of nationalism and mutual jealousy in a country with warriors like Rana Sanga, which was economically prosperous and had centers of education like Takshashila and Nalanda. He said that Prime Minister Shri Narendra Modi has started the project of renaissance of the nation and nationalism by honoring the forgotten people-heroes from Amrit Mahotsav. He said that due to the efforts of Prime Minister Shri Narendra Modi for the upliftment of the tribal society, the picture and destiny of the society is changing. Sharing the experience of Gujarat under the leadership of the Prime Minister, Governor Shri Patel said that many schemes of tribal welfare and development have come straight from his heart. Referring to Van Bandhu Yojana, he said that when Prime Minister Shri Modi became the Chief Minister of Gujarat, about four times more than the total expenditure on tribal development in the earlier period was spent in Gujarat in just 5 years.

Governor Shri Patel visited the photo exhibition of heroic stories of tribal heroes. The exhibition was inaugurated by garlanding pictures of tribal heroes and lighting the lamp. The students of the University - Pragati Mandloi and Pratibha Rawat presented a picture of tribal painting to Governor Shri Patel. Representative of National Commission for Scheduled Tribes Dr. Seema Singh said that tribal culture is the culture of the people of India. He said that the tribal community is the custodian of cultural sovereignty. The model of sustainable and local development can be drawn from tribal life. He informed about the constitutional provisions for the protection and development of tribes. Giving details of the jurisdiction of the Commission, he said that the Commission has wide powers to investigate and monitor all aspects of development, protection, economic and social development of the tribal community. The commission has the powers of a civil court. Complaints can also be lodged before the Commission for themselves or for someone else. He also invited suggestions from scholars.

Keynote speaker Deputy Secretary MP Government Shri Laxman Singh Markam said that the people's rebellion against the imperialist powers had started from tribal areas only. This is the reason that the revolutions in the world have been inspired by the tribal rebellion. He said that the present generation, which is living a free life, is indebted to our tribal heroes. It is the responsibility of the society to remember these forgotten heroes and inspire the youth. They should be enabled to live in co-operation and harmony and understand the nature of the country through self-realization. Giving details of historical, economic, social and geographical perspective, he threw light on the problems of tribal society and their root causes. He described the valor of the tribal people and the atrocities committed on them by the imperialist powers.

On the outline of the program, Legal Adviser of Raj Bhavan Tribal Cell, Shri Vikrant Singh Kumhare said that the study of historical perspective is necessary for the progress of the nation. The challenges of the present are the result of our past history. Referring to the heroic saga of the heroes of the tribal society, he inspired the society to think about the contribution of freedom forgotten in history.

Vice Chancellor of National Institute of Law University, Prof. V. Vijayakumar honored Governor Shri Patel and Padma Shri Smt. Durgabai Vyom. Professor Uday Pratap Singh proposed the vote of thanks. Convener Shri Virpal Singh conducted the program.

Government responsible for protection of culture, religion, tradition and values of life-CM Shri Chouhan

Bhopal : Chief Minister Shri Shivraj Singh Chouhan has said that along with the operation of infrastructure development works and welfare of the people, it is also the responsibility of the government to think and work on culture, religious tradition, values ??of life and how the world will be in the coming times. The state government will extend full cooperation in realizing the projects of Sanchi Buddhist University.

Chief Minister Shri Chouhan was addressing the fifth meeting of the General Council of the Sanchi University of Buddhist-Indic Studiesat Mantralaya today. Chief Minister Shri Chouhan said that the creation of the 6th International Dharma-Dhamma Conference by the university is commendable. All necessary preparations should be made by fixing the dates of the conference. The state government will extend full cooperation for this. At the same time, the vision of an international university should also be realized by providing space for academic and other work to other countries in the university campus. Chief Minister Shri Chouhan said that the idea of ??an international conference organized by Sanchi University on 6th and 7th January before the investors' summit and Pravasi Bharatiya Divas at Indore is commendable. Necessary preparations should be made for this also.

Chief Minister Shri Chouhan said that people from Sri Lanka and other countries come to Sanchi with great faith. This place is the basis of connecting nations. Chief Minister Shri Chouhan said that when he went to Sri Lanka, the idea of ??building a temple of Sita Mata there and starting a university at Sanchi came up simultaneously and it was given shape also. From the land of India, the Buddhist and Sanatan ideology spread out to the world. Only India will guide this world humanity to the eternal truth. India is also moving forward in this direction. Perhaps this is the divine providence, of which we all are the medium. The state government considers all the proposals of Sanchi University to be important. All possible assistance will be extended for this. Necessary grants and sanctions will be obtained by communicating with the University Grants

Commission and the Ministry of Human Resource Development.

Chief Minister Shri Chouhan said that the vision of an international level university should be realized by providing space for academic work to other countries in the Sanchi University campus.

Among those who were present in the meeting of the General Council of the University were Culture Minister Sushri Usha Thakur, Chancellor of the University Prof. SLTS Rinpoche (Lobsang Tenzin), Principal Secretary Culture Shri Sheo Shekhar Shukla, Members of the Council, Vice Chancellor of Nava Nalanda Mahabihar University, Prof. Vaidyanath Labh, Padmashri Shri Kapil Tiwari, Shri Abhay Katyayan, Shri Umesh Upadhyay, Prof. Karam Tej Singh and Dr. Neerja Gupta, Vice Chancellor of the University and Member Secretary of the Council were present. Additional Chief Secretary Higher Education Shri Shailendra Singh and Additional Chief Secretary Finance Shri Manoj Govil were also present.

माँ दुर्गा की अर्चना तो देव समूह भी करते हैं

भारत भूमि एक पवित्र संस्कृति से सम्पन्न कर्म भूमि ही नहीं, बल्कि देव भूमि भी है, जहाँ देवी- देवताओं के अवतरण की कई महत्वपूर्ण पौराणिक कथाएं सुविख्यात हैं। सम्पर्ण विश्व, सूर्यादि ग्रह, नक्षत्र तथा पंच तत्व सहित नाना विधि संसार सत्ता के सर्वोपरि इच्छा द्वारा ही चलायमान हैं। यह ध्रुव सत्य है कि बिना सर्वोपरि शक्ति (परम ब्रह्म) की इच्छा के कुछ भी संभव नहीं है। आज भले ही आधुनिकता की चकाचैंध में कुछ लोग अपनी अज्ञानता को बलपूर्वक थोपने की कोशिशें कर हों, कि देवी-देवता नाम की कोई सत्ता व ताकत नहीं हैं। किन्तु यह सच है कि कहीं न कहीं उन्हें सर्वोपरि सत्ता का एहसास जरूर होता है। हिन्दू धर्म को सनातन धर्म भी कहा जाता है, जो आदि काल से है, जिसमें सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड के उत्पत्ति व उसके विस्तार की विशुद्ध जानकारी प्राप्ति होती है, हमारे पौराणिक व वैदिक धर्म ग्रंथ इस बात के गवाह हैं, जब-जब धरा में धर्म की क्षति होती है तथा दुराचार, अपराध, रूपी असुरों की वृद्धि होती हैं। तो भगवान विभिन्न शरीरों में उत्पन्न होकर उनका संहार करके सज्जनों की पीड़ा हरते हैं और धर्म को स्थापित करते हैं।

इसी प्रकार जब महिषासुरादि दैत्यों के अत्याचार से समस्त भू व देव लोक पीडित हो उठा तो परम पिता परमेश्वर की आज्ञा से देव गणों ने एक अद्भुत अजेय शक्ति का सृजन किया, तथा उसे नाना विधि अमोघ अस्त्र-शस्त्र प्रदान कर उसे अजेय और जन कल्याणकारी बना दिया। जो आदि शक्ति माँ जगदम्बा के नाम से अखिल ब्रह्माण्ड में सुविख्यात हुईं। माँ दुर्गा देव व भू लोक की न केवल रक्षक हैं, अपितु सभी के लिए वांछित कल्पतरू के रूप में हैं। शिव व शक्ति की परम कल्याणकारी कथाओं का अति मनोरम वर्णन देवी भागवत, सूर्य, शिव, श्रीमद्भागवत आदि पुराणों मे हैं। बिना शाक्ति की इच्छा के इस संसार में एक कण भी नहीं हिल सकता सर्वज्ञ दृष्टा भगवान शिव भी (इ की मात्रा, शक्ति) के हटते ही शव (मुर्दा) स्वरूप हो जाते हैं। भगवती दुर्गा ने नौ दिनों में जयंती, मंगलाकाली, भद्रकालीकपालिनी, दुर्गा, क्षमा, शिवा, धात्री, स्वाहा, स्वधा में प्रकट होकर अहंकार में डूबें हुए शुम्भ-निशुम्भ, महिषासुर, रक्तबीज, जैसे अनेकों दैत्यों का बध कर देवताओं को उनका यज्ञ भाग पुनः दिलाया तथा भू व देव लोक में धर्म की स्थापना कर मानव का परम कल्याण किया।

हमारे शुभेच्छ वैदिक ऋषियों ने कल्याण प्राप्त करने हेतु मानव को इच्छित फल हेतु माँ दुर्गा की पूजा अर्चना का क्रम बताया है, जिसमें राजा सुरथ से महर्षि मेधाने कहा था आप उन्हीं भगवती की शरण ग्रहण कीजिए जो आराधना से प्रसन्न होकर मनुष्यों को भोग, स्वर्ग और मोक्ष प्रदान करती हैं। इसी अनुसार अर्चना करके राजा सुरथ ने अखण्ड साम्राज्य प्राप्त किया।

जब से देवताओं ने अपने तप व तेज का संग्रह करके अद्भुत दिव्य रूपी माँ दुर्गा को अवतरित किया तब से आज तक अनगिनत लोगों नें माँ दुर्गा की अर्चना करके मनोवांछित फल को प्राप्त किया। मनुष्य क्या? माँ दुर्गा की अर्चना तो देव समूह भी करते हैं। साक्षात प्रभु श्रीराम ने भी जगज्जननी भगवती की आराधना नवरात्रों के विशेष पर्व मे कर दुष्ट रावण का वध किया था।

सम्पूर्ण भारत में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तथा आश्विन शुक्ल प्रतिपदा को प्रतिवर्ष नवरात्री के पर्व को भगवती की आराधना करके मानाया जाता हैं। जिसे वसन्त और शरदीय नवरात्रा भी कहते हैं। इसके अतिरिक्त दो गुप्त नवरात्रे भी होते हैं कुल मिलाकर वर्ष भर में चार महत्वपूर्ण पर्व दुर्गा अर्चना के होते हैं। शरद् ऋतु का आगमन कृषि प्रधान भारत देश के लिए एक उत्सव के समान हैं। इन दिनों रवी की फसलों की बुआई का प्रारम्भ हो जाता है तथा खरीफ की फसल भी समृद्धि (धान्य) की सूचना देती है। जिससे कृषक वर्ण सहित समूचा भारत वर्ष प्रसन्न होकर परम कल्याणकारी शक्ति स्रोत माँ जगज्जननी की नौ दिन पर्यन्त वैदिक रीति से आराधना करता है। जिसके कारण इसे नौ रात्रि कहा जाता है, जिसके फलस्वरूप मानव दुःख ,दरिद्रता, रोग, बाधाओं से मुक्त हो जाता है और मनोवांछित फल प्राप्त करता है।

माँ जगदम्बा का प्रथम रूप शैलपुत्री के नाम से सुप्रसिद्ध है, इन्होंने पर्वतराज श्री हिमालय के यहाँ जन्म लिया तथा यह शैलपुत्री के नाम से सुविख्यात हुई। इन माँ का वाहन वृषभ (बैल) है, इन्होंने दाये हाथ में त्रिशूल तथा बाये हाथ में पद्म (कमल) को धारण किया हुआ है। इनकी कथा और कृपा बड़ी ही रोचक हैं, जिन्हें देवी भागवत आदि पुराणों मे पढ़ा जा सकता है।

माँ जगदम्बा के दूसरे रूप को माँ ब्रह्मचारिणी के रूप से जाना जाता है। इन्होंने दिव्य तप का अनुसरण कर दैत्यों के समूह को नष्ट किया तथा भक्तों पर वरद हस्त रखे हुए हैं। यह कृपा और दया की परम मूर्ति हैं। इन्होंने दायें हाथ में माला तथा बाये हाथ में कमण्डलु को धारण किया है।

माँ जगदम्बा के तीसरे स्वरूप को चंद्रघण्टा के नाम से जाना जाता है। यह भक्तों को अभय देने वाली तथा परम कल्याणकारी हैं। यह दावनों व राक्षसों को नष्ट कर धर्म की रक्षा करती है। इनके मस्तक पर घण्टे के रूप में अर्धचन्द्र विराजित हो रहा है, यह चंद्रघण्टा के नाम से अखिल जगत में प्रसिद्ध हैं। इनके दस हाथ है और खड्ग आदि अस्त्रों को धारण किए हुए हैं तथा सिंह में सवार हैं। यह भयानक घण्टे की नाद मात्र से शत्रु व दैत्यों का वध करती हैं।

माँ जगदम्बा का चतुर्थ रूप कूष्माण्डा के नाम से सुविख्यात है। यह संसार के सभी जीवों पर दया करने वाली हैं जो सूर्य लोक की वासी हैं। यह अति तेज से प्रकाशित हैं। अखिल ब्रह्मण्ड की जननी होने के कारण इन्हें कूष्माण्डा के नाम से जाना जाता है। माँ अष्टभुजाओं से युक्त है तथा हाथों में कमण्डल, धनुष, बाण, कमल, पुष्प, अमृतपूर्ण कलश, चक्र, गदा लोक कल्याण हेतु धारण कर रखा है। यह सिंहारूढ़ हैं तथा शत्रु, रोग, दुःख, भय को दूर करने वाली है।

माँ जगदम्बा के पांचवे रूप को स्कन्दमाता के नाम से जाना जाता है। यह भगवान स्कन्द की माता है। इन्होंने दायीं तरफ की नीचेवाली भुजा से भगवान स्कन्द को गोद लिया हुआ है। यह पद्म पुष्प, वरमुद्रा से युक्त हैं तथा भक्तों को अभीष्ट फल देने वाली हैं।

माँ जगदम्बा का षष्ठम स्वरूप कात्यायनी के नाम से सुविख्यात है। यह महिषासुर का मर्दन करनी वाली हैं। जो साक्षात् त्रिदेवों (ब्रह्म, विष्णु, महेश) के अंश से प्रकट हुई हैं। परम तेजस्वी, माँ कात्यायनी की पूजा सबसे पहले महर्षि कात्यायन ने की, तब से यह कात्यायनी के नाम सुप्रसिद्ध हैं। माँ चार भुजाओं वाली हैं यह अभय मुद्रा, वरमुद्रा, तलवार तथा कमल पुष्प को अपने हाथों में धारण किए हुए हैं। यह सिंहारूढ़ तथा भक्त को अर्थ, धर्म, काम, मोक्ष मनोवांछित फल देतीं हैं।

कालरात्रि माँ भगवती का सातवां रूप है। भक्तों के हितार्थ माँ अति भयानक कालिरात्रि के रूप मे प्रकट होती हैं। माँ चार भुजाओं और त्रिनयन स्वरूप हैं जो, अत्यंत भयंकर व अतिउग्र हैं, यह घने अंधकार की तरह है। इनकी नासिकाओं से अग्नि की अति भयंकर ज्वालाएं प्रकट हो रही है। यह गर्दभारूढ़ है। इनके पूजन से सभी प्रकार के कष्ट रोग दूर होते है व सुख शांति प्राप्ति होती है।

माँ भवानी आँठवें स्वरूप में महागौरी के रूप में प्रकट हुई हैं। यह चंद्र और कुन्द के फूल की तरह गौर हैं। इसी कारण इन्हें महागौरी कहा जाता है। माँ चार भुजाओं वाली वृष में आरूढ़ हैं। यह अभयमुद्रा, वरमुद्रा, त्रिशूल तथा डमरू को अपने हाथों में धारण किए हुए हैं तथा कठोर तप से भगवान शंकर को प्राप्त किया था। इनकी आराधना से भक्तों को मनोवांछित फल प्राप्त होते हैं।

भवानी दुर्गा का नवां स्वरूप माँ सिद्धिदात्री का है। यह सभी सिद्धियों को देने वाली हैं। माँ चतुर्भुजी हैं जो कमल के आसन पर विराजित हैं यह सिंहारूढ़ हैं तथा अपने हाथों मे चक्र, गदा,शंख, और कमल को धारण किए हुए हैं। यह सर्वसिद्धि देने वाली और कष्टों दूर करने वाली हैं।

बारिश की कमी से धान की बुआई हुई कम, मोदी सरकार ने चावल के निर्यात पर लगा दी रोक

नई दिल्ली। केंद्र ने महंगाई को थामने के लिए गेहूं, आटे, चीनी के बाद चावल के निर्यात पर भी रोक लगा दी है। मोदी सरकार ने कहा है कि अगर कोई निर्यातक अपना उत्पाद देश के बाहर भेजना चाहता है, तब उस 20 फीसदी ज्यादा शुल्क का भुगतान करना होगा। इसके बाद सवाल उठता है कि आखिर सरकार ने यह कदम क्यों उठाया है।

दरअसल भारत दुनिया में चावल का सबसे बड़ा निर्यातक है, जबकि उत्पादन में वह चीन के बाद दूसरे नंबर पर आता है। भारत कुल वैश्विक निर्यात का 40 फीसदी शिपमेंट करता है। भारत के पास चावल का पर्याप्त भंडार भी है, घरेलू बाजार में अभी चावल की कीमत करीब 5 साल के निचले स्तर पर चल रही है। इतनी सारी अनुकूल परिस्थितियों के बावजूद सरकार को चावल निर्यात पर बैन लगाना पड़ रहा है, जिसका सबसे बड़ा फैक्टर एक बार फिर महंगाई बन रही है।

इस साल देश के प्रमुख चावल उत्पादक राज्यों में प्री-मानसून और मानसून की बारिश काफी कम रही है। यूपी, बिहार, पश्चिम बंगाल जैसे चावल उत्पादक राज्यों में औसत से भी 25 फीसदी काफी कम बारिश हुई। कृषि मंत्रालय ने बताया है कि खरीफ के चालू सत्र में देश का धान बुआई का रकबा 5.62 फीसदी कम हैं, इस बार सिर्फ 383.99 लाख हेक्टेयर में धान की बुआई हुई। बारिश कम होने से एक रकबा पहले ही घट गया है, ऊपर से पैदावार में भी गिरावट की आशंका है। इसके बाद मोदी सरकार को चिंता है कि आने वाले समय में घरेलू खपत के लिए चावल का संकट न पैदा होने पाए। दूसरी ओर, खुदरा महंगाई की दर कई महीनों से लगातार 6 फीसदी के ऊपर बनी हुई है। रिजर्व बैंक ने भी चालू वित्तवर्ष में इसके कंफर्ट जोन में आने की संभावनाओं से इनकार किया है। इसका सीधा मतलब है कि बढ़ती महंगाई खाने-पीने की वस्तुओं का बोझ बढ़ा सकती है और भारत में चावल की खपत दुनिया के

अन्य देशों के मुकाबले सबसे ज्यादा है। लिहाजा चावल के दाम बढ़ने से रोकने के लिए भी निर्यात पर काबू पाने का कदम उठाया गया है।

धान का बुआई रकबा घटने के साथ कम बारिश की वजह से पैदावार पर भी असर पड़ने की आशंका है। नीति आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, देश में बाढ़ की वजह से इस खरीफ सीजन में चावल पैदावार 10 से 15 फीसदी घट सकती है।अगर परिस्थितियां अनुकूल हो जाती हैं, तब पिछले साल जितनी ही पैदावार की संभावना होगी। अगर पिछली साल जितनी ही पैदावार रहती है, तब 2022-23 में चावल का उत्पादन 11.18 करोड़ टन रहेगा। अगर इसमें 10 फीसदी की गिरावट आई, तब उत्पादन 10.06 करोड़ टन होगा और अगर 15 फीसदी की गिरावट आई, तब 9.5 करोड़ टन चावल की ही पैदावार हो सकेगी। इसके बाद चिंताजनक बात ये है कि 2022-23 में भारत में चावल की कुल खपत 10.9 करोड़ टन रहने का अनुमान है, जबकि पैदावार उससे कम होने की आशंका जताई जा रही है।

भारत के चावल निर्यात पर रोक लगाने का सबसे ज्यादा असर पड़ोसी और एशियाई देशों पर होगा। दरअसल, दुनिया में कुल चावल उत्पादन में एशियाई देशों की हिस्सेदारी भी 90 फीसदी है और उसकी खपत भी 90 फीसदी है। चावल निर्यातक संगठन के अध्यक्ष बीवी कृष्ण राव का कहना है कि चावल की जिस वैराइटी पर सरकार ने शुल्क लगाया है, उसकी कुल निर्यात में 60 फीसदी हिस्सेदारी है। इसके बाद ग्लोबल मार्केट में चावल की कमी और उसकी कीमतें बढ़ना तय है। उन्होंने बताया कि अभी ग्लोबल मार्केट में चावल का रेट 350 डॉलर प्रति टन है, जो बढ़कर 400 डॉलर पहुंच सकता है।

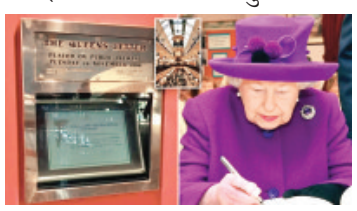

तिजोरी में बंद महारानी एलिजाबेथ II का सीक्रेट लेटर, 63 साल पहले लिखे इस पत्र में ऐसा क्या लिखा है, जिसे 2085 तक खोला नहीं जा सकता

क्वीन एलिजाबेथ द्वितीय द्वारा लिखा गया एक सीक्रेट लेटर ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में क्वीन विक्टोरिया बिल्डिंग में एक तिजोरी में रखा है। पत्र नवंबर 1986 में लिखा गया था। बताया जाता है कि इसमें सिडनी के लोगों को संबोधित किया गया था, लेकिन इसे केवल 2085 में खोला जा सकता है। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया सेवेंन न्यूज के अनुसार यहां तक कि रानी के निजी कर्मचारी भी पत्र की सामग्री से अनजान हैं क्योंकि यह एक प्रतिबंधित क्षेत्र में कांच के अंदर बंद है। ये रहस्यमय पत्र महारानी द्वारा उस भवन के जीर्णोद्धार का जश्न मनाने के लिए लिखा गया था, जिसे 1898 में महारानी विक्टोरिया की परदादी की हीरक जयंती मनाने के लिए बनाया गया था। महारानी ने पत्र खोलने की तिथि पर निर्देश लिखे और सिडनी के मेयर को संबोधित किया। नोट में लिखा है, 'वर्ष 2085 ईस्वी में आपके द्वारा चुने जाने के लिए उपयुक्त दिन पर, क्या आप कृपया इस लिफाफा को खोलकर सिडनी के नागरिकों को अपना संदेश उन्हें बताएंगे।'सेवन न्यूज ऑस्ट्रेलिया की रिपोर्ट के अनुसार पत्र पर 'एलिजाबेथ आर' हस्ताक्षर किए गए हैं। महारानी की मृत्यु के बाद, ब्रिटेन के सबसे लंबे समय तक शासन करने वाली क्वीन को श्रद्धांजलि देने के लिए सिडनी के ओपेरा हाउस में रोशनी की गई।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया का ऐलान, बुमराह-हर्षल की वापसी, शमी को नहीं मिली जगह

एशिया कप 2022 के बाद टीम इंडिया टी-20 विश्व कप के लिए पूरी तरह से तैयार है। बीसीसीआई ने विश्व कप के लिए चयनित टीम का ऐलान कर दिया है। वहीं, चयनित खिलाड़ियों में तेज गेंदबाज आवेश खान को विश्व कप के लिए टीम में जगह नहीं मिली है जबकि मोहम्मद शमी को स्टैंड बाय के रूप में शामिल किया गया है।

रविन्द्र जडेजा के चोटिल होने के बाद टीम इंडिया में अक्षर पटेल को जगह दी गई है। वहीं, एशिया कप में शानदार प्रदर्शन करने के बाद आर अश्विन को भी चुना गया है। तेज गेंदबाजों की बात करें तो जसप्रीत बुमराह, हर्षल पटेल चोट के बाद विश्व कप में अपना योगदान देने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

दीपक हुड्डा को टीम में मिली जगह- बल्लेबाजों में दीपक हुड्डा को भी टीम में जगह दी गई है। वहीं, चयनित टीम में अनुभवी बल्लेबाज शिखर धवन का नाम नहीं है। इसके अलावा दिनेश

कार्तिक और ऋषभ पंत का भी नाम इस लिस्ट में है। हालांकि, प्लेइंग इलेवन में इनमें से कोई एक खिलाड़ी मैदान में खेलता नजर आएगा।

आपको बता दें, विश्व कप में मोहम्मद शमी की वापसी की उम्मीद जताई जा रही थी। लेकिन शमी को स्टैंड बाय के तौर पर शामिल किया गया है। इसमें शमी के अलावा रवि बिश्नोई, श्रेयस अय्यर और दीपक चाहर भी हैं। यदि कोई खिलाड़ी चोटिल होता है उस दौरान इन खिलाड़ियों को मौका दिया जा सकता है।

इंडियन टीम- रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उप-कप्तान), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, आर पंत (डब्ल्यूके), दिनेश कार्तिक (डब्ल्यूके), हार्दिक पांड्या, आर अश्विन, वाई चहल, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, बी कुमार, हर्षल पटेल, अर्शदीप सिंह।

पीएम मोदी ने 'सेंटर-स्टेट साइंस कान्क्लेव' का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज केंद्र-राज्य विज्ञान सम्मेलन का उद्घाटन किया। पीएम ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज 21वीं सदी के नए भारत के विकास के लिए विज्ञान सभी क्षेत्रों के विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। देश में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए अपनी तरह का यह पहला कान्क्लेव केंद्र-राज्य समन्वय और सहयोग तंत्र को मजबूत करेगा।पीएम ने कहा कि जब ज्ञान और विज्ञान से हमारा मेल होता है तब संसार की सभी संकटों से मुक्ति का रास्ता अपने आप खुल जाता है। उन्होंने कहा कि समाधान और नवाचार का आधार विज्ञान ही है। इसी प्रेरणा से आज का नया भारत, जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान के साथ ही जय अनुसंधान का आह्वान करते हुए आगे बढ़ रहा है।

जाँबाज 4 वन शहीद कर्मियों के आश्रित सदस्यों को एक-एक लाख रूपए की सहायता

भोपाल। प्रदेश में वन एवं वन्य-प्राणी सुरक्षा कार्य में आरोपियों के साथ हुई मुठभेड़, वन्य-प्राणियों का हमला, अग्नि दुर्घटना जैसी विषम परिस्थितियों में जान गंवाने वाले वन विभाग के 4 वन शहीद कर्मियों के आश्रित सदस्यों को एक-एक लाख रूपए और प्रशस्ति-पत्र राष्ट्रीय वन शहीद दिवस के मौके पर दिए गए। भोपाल के चार इमली स्थित फारेस्ट रेस्ट हाउस परिसर में हुए राष्ट्रीय वन शहीद दिवस पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री अभय कुमार पाटिल ने आर्थिक सहायता और प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए।

उल्लेखनीय है कि वन विभाग द्वारा प्रति वर्ष 11 सितम्बर को राष्ट्रीय वन शहीद दिवस मनाया जाता है। विगत एक वर्ष के दौरान वन विभाग के शहीद हुए वन कर्मियों को आर्थिक सहायता और प्रशस्ति-पत्र मध्यप्रदेश टाइगर फाउन्डेशन सोसायटी के 'क्लोज टू माई हार्ट' अभियान से दिया जाता है।

जाँबाज शहीद वन कर्मी- कान्हा टाइगर रिजर्व में दैनिक वेतन भोगी श्रमिक और स्थाई कर्मी के रूप में पदस्थ रहे श्री समरत सिंह मरावी की डयूटी के दौरान हाथी द्वारा आक्रमण किए जाने से मृत्यु हो गई थी।

कान्हा टाइगर रिजर्व में ही आकस्मिक निधि के श्रमिक श्री सुखदेव परस्ते की 23 मार्च 22 को मुक्की परिक्षेत्र के परसाटोला समनापुर वन मार्ग पर डयूटी

के दौरान बामपंथी, चरमपंथियों द्वारा गोली मारने से मृत्यु हो गई थी।

दक्षिण सिवनी मण्डल में वन रक्षक श्री गणेश प्रसाद सनोडिया की आमागढ़ चंदन गोदाम के समीप रेत के डम्फर चालक द्वारा लापरवाही पूर्वक तेज गति से टक्कर मारने से मृत्यु हो गई थी।

इसी तरह पन्ना टाइगर रिजर्व में स्थाई कर्मी महावत श्री बुधराम रौतिया की हाथी द्वारा टक्कर मारने से मृत्यु हो गई थी।

वन कर्मी शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि- वन विभाग के इन 4 जाँबाज शहीद वन कर्मियों के सम्मान में 2 मिनिट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान प्रधान मुख्य वन संरक्षक (संरक्षण) श्री सी.के. पाटिल, राज्य लघु वनापेज संघ प्रबंध संचालक श्री पुष्कर सिंह सहित अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

इंदौर ने पेश की संवेदनशीलता की अनूठी मिसाल

- **थैलेसीमिया से पीड़ित गरीब वर्ग के बच्चों को मिलेगी निशुल्क दवाइयां**
- **श्री रणजीत हनुमान मंदिर एवं खजराना श्री गणेश मंदिर में हुआ निशुल्क दवाई वितरण केंद्र का शुभारंभ**
- **प्रदेश स्तर पर थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों का डाटा बैंक बनाने के लिए जिला प्रशासन ने तैयार किया विशेष ऐप क्योर थैलेसीमिया**

इन्दौर। इंदौर देशभर में अपने अनूठे और संवेदनशील नवाचारों के लिए जाना जाता है। अपनी इसी छवि को बनाए रखते हुए इंदौर ने आज संवेदनशीलता की अनूठी मिसाल पेश की है। सांसद श्री शंकर लालवानी एवं कलेक्टर श्री मनीष सिंह द्वारा आज श्री रणजीत हनुमान मंदिर एवं खजराना श्री गणेश मंदिर में थैलेसीमिया बीमारी से पीड़ित बच्चों के लिए निशुल्क दवाई वितरण केंद्र का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री अभय बेडेकर भी उपस्थित रहे। विदित है कि उक्त दोनों केंद्रों पर गरीब एवं जरूरतमंद वर्ग के बच्चों को निशुल्क रूप से थैलेसीमिया का उपचार कराने के लिए दवाइयां एवं इंजेक्शन दिए जाएंगे।

थैलेसीमिया रोग को नियंत्रण करने में भी इंदौर बनेगा नंबर वन-सांसद श्री शंकर लालवानी ने निशुल्क दवाई वितरण केंद्र के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि थैलेसीमिया रोग के इलाज हेतु दवाइयों एवं इंजेक्शन की नियमित उपलब्धता होना बहुत जरूरी है। कई जरूरतमंद परिवार के लोग इसके उपचार में होने वाले खर्चे के वजह से बच्चों का इलाज कराने में असक्षम होते हैं। ऐसे ही परिवारों की मदद के लिए यह निशुल्क दवाई वितरण केंद्र शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि पूर्व में भी थैलेसीमिया जांच के लिए निशुल्क शिविर लगाए गए थे और अब इसी क्रम में आगे बढ़ते हुए इसके उपचार के लिए यह केंद्र शुरू किया गया है। उन्होंने कलेक्टर श्री मनीष सिंह की संवेदनशीलता की तारीफ करते हुए कहा कि कलेक्टर श्री सिंह ने इस अभियान को मूर्त रूप देने के लिए पूर्ण सहयोग प्रदान किया है। कोरोना जैसी विषम परिस्थिति में भी थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को समय पर दवाइयां मिल सके इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा अथक प्रयास किए गए हैं। सांसद श्री लालवानी ने बताया कि उनके द्वारा थैलेसीमिया के उपचार को आयुष्मान योजना से जोड़ने और शादी से पहले वर वधू के थैलेसीमिया जांच कराने को अनिवार्य करने जैसे मुद्दों पर लगातार केंद्र सरकार के समक्ष अपना पक्ष रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि जैसे इंदौर हर क्षेत्र में नंबर वन है उसी तरह थैलेसीमिया को नियंत्रण करने में भी इंदौर जरूर नंबर वन बनेगा।

प्रदेश के सभी जरूरतमंद थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को मिल सकेंगी निशुल्क दवाइयां-कलेक्टर श्री मनीष सिंह ने बताया कि सिर्फ इंदौर जिले के नहीं बल्कि प्रदेश के किसी भी जिले के बच्चे उक्त केंद्रों पर प्रदान की जा रही सेवाओं का लाभ ले सकते हैं। बीपीएल कार्ड धारकों को बिना किसी औपचारिकता के यहां दवाइयां प्रदान की जाएंगी। उन्होंने बताया कि मंदिर में आने वाली दान राशि मानवीय सेवा में उपयोग हो इससे अच्छी कोई बात नहीं। इसीलिए आज उक्त दोनों मंदिरों में यह केंद्र शुरू किए गए हैं। इससे थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों को समय रहते सही इलाज मिल सकेगा। इस केंद्र का संचालन सही दिशा में हो इसके लिए दोनों मंदिरों में समितियां बनाई जाएंगी जिसमें इंदौर की थैलेसीमिया एवं सिकल सेल सोसायटी के सदस्य तथा चिकित्सक भी शामिल रहेंगे। चिकित्सक अन्य जिलों से आने वाले मरीजों को उपचार हेतु प्रॉपर गाइडेंस दे सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह पहल थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों एवं उनके अभिभावकों को उपचार में आने वाली कठिनाइयों को कम करने के लिए शुरू की गई है।

क्योर थैलेसीमिया एप में कर सकेंगे रजिस्टर-इस अवसर पर सांसद श्री लालवानी एवं कलेक्टर श्री सिंह ने क्योर थैलेसीमिया एप का शुभारंभ किया। इस ऐप में प्रदेशभर के थैलेसीमिया पीड़ित बच्चे रजिस्टर कर सकेंगे। जिससे सभी पीड़ित बच्चों का डेटाबेस तैयार किया जा सकेगा और उन्हें उपचार का सही गाइडेंस भी प्रदान किया जा सकेगा। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि इस ऐप को प्रारंभिक रूप में प्रदेश स्तर के बच्चों के लिए रखा गया है, आगे आने वाले समय में इसका और विस्तार किया जाएगा।

चिकित्सक दे सकते हैं निशुल्क एवं सशुल्क सेवा-सांसद श्री शंकर लालवानी एवं कलेक्टर श्री मनीष सिंह ने सभी चिकित्सकों से अपील की है कि वे थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों के निशुल्क एवं सशुल्क इलाज के लिए उक्त केंद्रों पर आवेदन दे सकते हैं। इस मानवीय पहल में जितने चिकित्सक जुड़ सकेंगे उतनी ही हम थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों की सहायता कर सकेंगे।

दान करके कर सकते हैं थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों की सहायता-इस मानवीय अभियान में सहयोग प्रदान करने के लिए श्री रणजीत हनुमान मंदिर एवं खजराना श्री गणेश मंदिर में दान पेटियां भी रखी गई है, जहां इच्छुक व्यक्ति थैलेसीमिया के उपचार के लिए राशि दान भी कर सकते हैं। इसी राशि से केंद्रों में उपलब्ध कराई जा रही दवाइयां क्रय की जाएंगी।

रातभर मुस्कुराएगा इंदौर... बीआरटीएस कारिडोर के 100 मीटर दायरे में 24 घंटे खुले रहेंगे होटल और औद्योगिक संस्थान

इंदौर। इंदौर अब 24 घंटे खुला रहने वाला प्रदेश का पहला शहर बन गया है। जिला प्रशासन ने बीआरटीएस कारिडोर के 100 मीटर दायरे में आने वाले होटल और औद्योगिक संस्थानों को 24 घंटे खुला रखने की सशर्त अनुमति जारी कर दी है। बार, पब और स्ट्रीट वेंडरों को इसकी अनुमति नहीं होगी। यात्रियों की सुविधा के लिए हर 30 मिनट में आइ-बस उपलब्ध रहेगी। इस दौरान पुलिस भी सतर्क रहेगी।

कलेक्टर मनीष सिंह द्वारा जारी आदेश के अनुसार निरंजनपुर चौराहे से राजीव गांधी चौराहे तक 11.45 किलोमीटर लंबे और 60 मीटर चौड़े बीआरटीएस कारिडोर के दोनों ओर सभी औद्योगिक, व्यावसायिक कार्यालय, विभिन्ना प्रकार की सेवाएं, लाजिस्टिक्स, रेस्तरां, होटल आदि को पूरी रात खोलने की सशर्त अनुमति दी गई है। इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और अर्थव्यवस्था सुधरेगी। हालांकि इस क्षेत्र में कोचिंग क्लास या शैक्षणिक संस्थान रात 11 बजे बाद नहीं खोले जा सकेंगे।

शराब परोसने वाले होटल-रेस्तरां शामिल नहीं

निर्धारित क्षेत्र की शराब दुकानें, अहाते, भांग दुकानें, बार, पब, डिस्को क्लब और शराब परोसने वाली होटलें और रेस्तरां को रातभर खुला रखने की अनुमति नहीं दी गई है। केवल ऐसे रेस्तरां जिनमें बार नहीं है, वे ही पूरी रात खुले रह सकेंगे। स्ट्रीट वेंडरों पर भी प्रतिबंध रहेगा।

सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य, 30 दिन का रखना होगा बैकअप

प्रशासन ने बीआरटीएस के 100

मीटर के दायरे में 24 घंटे बाजार खुले रखने का आदेश तो जारी कर दिया लेकिन संस्थानों को कड़ी शर्तों का पालन करना अनिवार्य होगा। रातभर खुले रहने वाले सभी संस्थानों एवं प्रतिष्ठानों को सीसीटीवी कैमरा लगाना अनिवार्य रहेगा। इनका 30 दिन का बैकअप रखना होगा, जिसे पुलिस के मांगने पर उपलब्ध करवाना होगा। पूरे संस्थान में यह नोटिस लगाना होगा कि आप कैमरे की निगरानी में हैं। उक्त सर्विलांस सिस्टम शुरू किए बिना संस्थान 24 घंटे खुले नहीं रह सकेंगे।

कई नियम-शर्तों का पालन करना अनिवार्य होगा

महिला सुरक्षा : प्रत्येक प्रतिष्ठान/व्यवसायी द्वारा रात्रिकालीन अवधि में महिलाकर्मियों की सुरक्षा का ध्यान रखना होगा। उन्हें कार्य स्थल से लाने-ले जाने के लिए सुरक्षित परिवहन, टेलीफोन-मोबाइल, चिकित्सा, यौन उत्पीड़न रोकने के लिए समुचित व्यवस्था करनी होगी। सभी कर्मचारियों की ब्योरा रिपोर्ट शासकीय श्रम पदाधिकारी-सहायक श्रमायुक्त को निर्धारित अवधि में भेजनी होगी।

लोगो और 311 एप पर पंजीयन : रात्रि में प्रतिष्ठान खुला रखने के लिए नगर निगम के एप/पोर्टल 311 पर पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। दुकान पर एक लोगो लगाना होगा कि उसकी दुकान 24 घंटे खुली रहती है। व्यवसायियों के सहयोग व सुविधा के लिए हेल्प डेस्क बनेगी।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क को मिलेगा 8 अफ्रीकी चीता, स्पेशल प्लेन पहुंचा नामीबिया

भोपाल। मध्य प्रदेश में चीतों को लाने की तैयारी पूरी हो चुकी है। चीतों को लाने के लिए एक स्पेशल प्लेन नामीबिया भी पहुंच चुका है। नामीबिया में भारतीय उच्चायोग ने मध्य प्रदेश के कुनो नेशनल पार्क में लाए जाने वाले चीतों को प्राप्त करने के लिए नामीबिया पहुंचे भारतीय विमान के दृश्य को ट्वीट किया। शिवपुर के केनु नेशनल पार्क में ये चीतें लाए जाएंगे। पीएम मोदी 17 सितम्बर को अपने जन्मदिन के मौके पर 8 चीतों को अपने राष्ट्रीय उद्यान में छोड़ देंगे।

अफ्रीकी देश नामीबिया से लाए जा रहे आठ चीतों को लेकर विशेष विमान जोहान्सवर्ग से रवाना होगा और सुबह साढ़े छह से सात बजे सीधे जयपुर हवाई अड्डे पर उतरेगा। यहां से सेना का चिनूक हेलिकाप्टर चीतों से भरे आठ एवं दो खाली बाक्स (लकड़ी और लोहे से बने पिंजरे) लेकर रवाना होगा और करीब नौ बजे कूनो पार्क में स्थित हेलिपैड पर उतरेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कार्यक्रम करीब पौने 11 बजे शुरू होगा और मोदी 11 बजे बाक्स का गेट खोलकर तीन चीतों को क्वारंटाइन बाड़े में छोड़ेंगे।

बता दें कि टाइगर स्टेट मध्य प्रदेश में 70 साल बाद चीतें लाए जा रहे हैं। भारत में अफ्रीकी चीता परिचय परियोजना' की कल्पना पहली बार 2009 में की गई थी। हालांकि, कोविड-19 महामारी और लगातार लॉकडाउन के कारण परियोजना में देरी हुई। मध्य प्रदेश में कुन्नो राष्ट्रीय उद्यान में चिंकारा, चित्तीदार हिरण और ब्लैकबक की अच्छी आबादी है।

हिंदी अपनी सादगी, सहजता से लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती-पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिंदी दिवस के मौके पर लोगों को बधाई देकर कहा कि इसकी सादगी, सहजता और संवेदनशीलता हमेशा लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती है। पीएम मोदी ने उन सभी लोगों को बधाई दी जिन्होंने हिंदी को समृद्ध और सशक्त बनाने में अथक योगदान दिया है।

पीएम मोदी ने ट्वीट में कहा कि हिन्दी ने विश्वभर में भारत को एक विशिष्ट सम्मान दिलाया है। इसकी सरलता, सहजता और संवेदनशीलता हमेशा आकर्षित करती है। हिन्दी दिवस पर मैं उन सभी लोगों का हृदय से अभिनंदन करता हूं, जिन्होंने इसे समृद्ध और सशक्त बनाने में अपना अथक योगदान दिया है।

इसके पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की मित्र है और यह एक आधिकारिक भाषा के रूप में 'पूरे देश को एकता के सूत्र में बांधती है। शाह ने ट्वीट करके कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार हिंदी सहित सभी स्थानीय भाषाओं के एक साथ विकास के लिए प्रतिबद्ध है। शाह ने हिंदी में ट्वीट करके कहा कि 'राजभाषा हिंदी राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरौती है। हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की सखी है। हिंदी के संरक्षण व संवर्धन में योगदान देने वाले महानुभावों को नमन करता हूं। सभी को 'हिंदी दिवस' की शुभकामनाएं। गौरतलब है कि हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। भारत संघ की आधिकारिक भाषा के रूप में घोषित होने के बाद यह दिन हिंदी भाषा को समर्पित है। भारत की संविधान सभा ने 14 सितंबर, 1949 को देवनागरी लिपि में लिखी गई हिंदी को भारत संघ की आधिकारिक भाषा घोषित किया। 25.8 करोड़ लोगों द्वारा मूल भाषा के रूप में बोली जाने वाली हिंदी को दुनिया में चौथी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा के रूप में मान्यता हासिल है।

उत्तराखंड को बनाना है देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य, समान नागरिक संहिता को लेकर भी कही यह बात-मुख्यमंत्री धामी

उत्तराखंड में भारतीय जनता पार्टी की सरकार का नेतृत्व कर रहे पुष्कर सिंह धामी लगातार राज्य के कल्याण को लेकर नए-नए दावे करते रहे हैं। एक बार फिर से पुष्कर सिंह धामी ने साफ तौर पर कहा है कि उत्तराखंड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाना है। उन्होंने कहा कि हम सब को मिलकर काम करना होगा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हमारा एकमात्र लक्ष्य है कि इश के नेतृत्व में उत्तराखंड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाना है। हमने नई सरकार के गठन होते ही समान नागरिक संहिता को लेकर कमेटी का गठन कर दिया है। 5 सदस्यीय कमेटी ने जनता से संवाद भी शुरू कर दिया है।

इसके अलावा पुष्कर सिंह धामी ने भर्ती घोटाले को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि जो भर्ती घोटाला आपके सामने आ रहा है वो कोई 1-2 साल का नहीं बल्कि लंबे समय से चल रहा था। इसके खिलाफ कभी जांच नहीं हुई। जैसे ही मामला मेरे सामने आया हमने तय किया कि हम अपने बच्चों के भविष्य के साथ किसी भी कीमत पर खिलवाड़ नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड एऊइ ने अब तक 39 लोगों को गिरफ़्तार कर लिया है। जब तक घोटाले में शामिल हर एक व्यक्ति जेल में नहीं पहुंच जाता तब तक जांच बंद नहीं होगी। हमने मंत्रिमंडल में निर्णय लिया है कि हमारी जो 7 हजार भर्तियां खाली हैं, उन सबको लोकसेवा आयोग से कराएंगे।

इससे पहले पुष्कर सिंह धामी ने कहा था कि हिमालयी क्षेत्रों में सामाजिक विकास की आवश्यकता है। हमें पारिस्थितिकी और अर्थव्यवस्था को साथ में रखते हुए कार्य करना होगा।

दुनिया के देशों को जलवायु परिवर्तन, सतत विकास के मुद्दे पर मिलकर काम करना चाहिए-राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन, सतत विकास जैसे मुद्दे काफी महत्वपूर्ण हो गए हैं और दुनियाभर के देशों को इनका समाधान निकालने के लिये साथ मिलकर काम करना चाहिए। मुर्मू ने राष्ट्रीय रक्षा कालेज के 62वें कोर्स से जुड़े शिक्षकों एवं कोर्स करने वाले सदस्यों को राष्ट्रपति भवन में संबोधित करते हुए यह बात कही।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमें न केवल पारंपरिक खतरों से निपटने के लिये अपने आप को तैयार रखना चाहिए बल्कि अप्रत्याशित प्रकृति सहित अनदेखे खतरों के लिये भी तैयारी करनी चाहिए। राष्ट्रपति भवन के बयान के अनुसार, राष्ट्रपति ने कहा कि हम विविधतापूर्ण दुनिया में हैं जहां पर एक छोटा बदलाव व्यापक प्रभाव डाल सकता है। उन्होंने कहा कि कभी कभी इससे सुरक्षा से संबंधित आयाम जुड़े होते हैं। कोविड महामारी की गति ऐसे खतरों का एक उदाहरण है जिसका सामना आज मानवता कर रही है। इसके कारण मानव जातिइसके खतरों को समझ पायी है।

मुर्मू ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और सतत विकास जैसे मुद्दे आज काफी महत्वपूर्ण हैं। यही समय है जब दुनिया के देशों को साथ आना चाहिए और इसका समाधान निकालने के लिये काम करना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि सुरक्षा की बात अक्सर हमारी चर्चाओं में आती है और इसका व्यापक प्रभाव होता है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कराहल में स्व-सहायता समूहों के सम्मेलन की तैयारियाँ देखी

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की श्योपुर जिले के कराहल में होने वाली यात्रा और स्व-सहायता समूहों के उन्मुखीकरण सह-सम्मेलन की तैयारियों का आज जायजा लिया। उन्होंने तैयारियों के बारे में प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा कर निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री व्यवस्थाओं से संतुष्ट दिखे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने नामीबिया (अफ्रीका) से कूनो राष्ट्रीय उद्यान में प्रतिस्थापित किए जाने वाले चीतों के संबंध में वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से संपूर्ण प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने इस महत्वपूर्ण दायित्व में लगे अधिकारियों से भी चर्चा की।

केन्द्रीय कृषि एवं किसान-कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव, सांसद श्री वी.डी. शर्मा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री महेन्द्र सिंह सिसौदिया, उद्यानिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं श्योपुर जिले के प्रभारी श्री भारत सिंह कुशवाह, विधायक श्री सीताराम आदिवासी, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री उमाकांत उमराव, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के कमिश्नर श्री आशीष सक्सेना, एडीजीपी श्री राजेश चावला, कलेक्टर श्योपुर श्री शिवम वर्मा, पुलिस अधीक्षक श्री आलोक कुमार सिंह तथा संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रधानमंत्री श्री मोदी की 17 सितंबर की कराहल यात्रा के मद्देनजर बनाये गये मंच, बैठक व्यवस्था, पेयजल, आपातकालीन सेवाओं सहित मेडिकल सुविधा और सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा की। साथ ही स्व-सहायता समूहों के उन्मुखीकरण की दिशा में किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने उन्मुखीकरण कार्यक्रम में

आने वाले स्व-सहायता समूह के सदस्यों के आने-जाने एवं कार्यक्रम स्थल पर की गई व्यवस्थाओं की भी विस्तार से समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक अधिकारियों को सभी तैयारियाँ समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये। साथ ही प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान कार्यक्रम स्थल पर लगाये गये टेन्ट तथा अन्य व्यवस्थाओं को देखा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रशासनिक अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएँ प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण सुझाव और निर्देश भी दिये। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मीडिया प्लान पर भी प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा की।

स्व-सहायता समूहों की बहनों का सम्मेलन- मुख्यमंत्री श्री चौहान ने श्योपुर जिले के कराहल में म.प्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी स्व-सहायता समूह की बहनों के उन्मुखीकरण और सह-सम्मेलन की तैयारियों की भी जानकारी ली। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि सम्मेलन में हिस्सा लेने वाली बहनों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जाएँ। समूहों द्वारा सब्जी एवं दुग्ध उत्पादन, अगरबत्ती, हैण्डवॉश, साबुन निर्माण, कृषि और पशुपालन आधारित आजीविका गतिविधियाँ और आजीविका पोषण वाटिका के संचालन के कार्यों की भी जानकारी ली। प्रधानमंत्री श्री मोदी समूह की सदस्य बहनों की उद्यमशीलता की जानकारी प्राप्त करेंगे।

मुद्रक एवं प्रकाशक संजय अग्रवाल द्वारा गोल्ड कॉईन सेवा ट्रस्ट के पक्ष में राजा ऑफसेट प्रिंटर्स, 863/9, नेहरू नगर, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित तथा 54-55, चाणक्यपुरी, अन्नपूर्णा रोड, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : संजय अग्रवाल* (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)